web: www.nyaysakshi.com
पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल
पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 15 जुलाई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 286

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

23 अगस्त को चंद्रयान-3 की लैंडिंग मुमकिन : इसरो चीफ

बेंगलुरु । चंद्रयान-3 आज लॉन्च हो गया, लेकिन इसे चांद तक पहुंचने में महीनेभर से ज्यादा का समय लगेगा. 23 या 24 अगस्त को ये चांद की सतह पर लैंड कर सकता है. हालांकि, ये तारीख आगे-पीछे भी हो सकती है. चंद्रयान-2 को 22 जुलाई को लॉन्च किया गया था, लेकिन 6-7 सितंबर को विक्रम लैंडर की क्रैश लैंडिंग हो गई थी.

भारत का तीसरा मून मिशन 'चंद्रयान-3' शुक्रवार को लॉन्च हो गया. इसे दोपहर 2:35 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से छोड़ा गया. 615 करोड़ की लागत से तैयार हुआ ये मिशन करीब 42 दिन की यात्रा के बाद चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास लैंड करेगा. 'चंद्रयान-3' को भेजने के लिए LVM-3 लॉन्चर का इस्तेमाल किया गया. इसे पहले GSLV MK-III के नाम से जाना जाता था. इसी रॉकेट से स्पेस एजेंसी इसरो ने चंद्रयान-2 को लॉन्च किया था.

'हमारा मिशन सफल होगा', बोले नांबी नारायणन- भारत के तीसरे चंद्रमा मिशन चंद्रयान 3 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो के पूर्व वैज्ञानिक नांबी नारायणन ने कहा- "इसरो टीम को बधाई. आप सभी ने जो नैतिक समर्थन दिया और जो उत्साह दिखाया, हमें उम्मीद है कि हमारा मिशन सफल होगा."

चंद्रयान-3 की सफल लॉन्चिंग पर बधाई: चीनी मीडिया- चीन की मीडिया ने चंद्रयान-3 की सफल लॉन्चिंग पर बधाई दी है. ग्लोबल टाइम्स ने ट्वीट किया- बधाई हो! भारत ने शुक्रवार को अपने चंद्र मिशन #Chandrayaan3 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है. उम्मीद है कि अंतरिक्ष यान अगस्त में चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास करेगा. एक बार सफल होने पर भारत चंद्रमा पर कंट्रोल्ड लैंडिंग करने वाला चौथा देश बन जाएगा.

'चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग वैज्ञानिक एक्सप्लोरेशन की सदियों पुरानी भावना को ट्रिब्यूट'- चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो की टीम को बधाई. पूरा देश इस शानदार उपलब्धि से उत्साहित है, जो वैज्ञानिक एक्सप्लोरेशन की हमारी सदियों पुरानी भावना को ट्रिब्यूट है. इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ, भारत न केवल अपनी अंतरिक्ष क्षमता को एक हायर ऑर्बिट में ले जाएगा, बल्कि आत्मनिर्भारत और मेकइनइंडिया को भी एक बड़ा सपोर्ट है,

भारत चला चांद की ओर, चंद्रयान-3 की सफल लांचिंग

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शुक्रवार को चंद्रमा पर भारत के तीसरा मिशन चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण किया गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 642 टन वजन वाला एलवीएम3 रॉकेट ने दोपहर बाद 2.35 बजे चंद्रयान के साथ उड़ान भरी। चंद्रयान को चंद्रमा पर पहुंचने में करीब 40 दिन लगेंगे। प्रक्षेपण के ठीक 16 मिनट बाद लगभग 2.50 बजे करीब 179 किमी की ऊंचाई पर चंद्रयान-3 रॉकेट से अलग हो जाएगा। इसके बाद चंद्रयान-3 लगभग 3.84 लाख किमी की अपनी लंबी चंद्रमा यात्रा शुरू करेगा। अंतरिक्ष यान द्वारा ले जाए गए लैंडर के 23 या 24 अगस्त को चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने की उम्मीद है। इसरो ने कहा कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान में एक प्रोपल्शन मॉड्यूल (वजन 2,148 किलोग्राम), एक लैंडर (1,723.89 किलोग्राम) और एक रोवर (26 किलोग्राम) शामिल है। रॉकेट का पहला चरण ठोस ईंधन द्वारा संचालित है। दूसरा चरण तरल ईंधन द्वारा संचालित है जबकि तीसरे और अंतिम चरण में तरल हाइड्रोजन और तरल ऑक्सीजन द्वारा संचालित क्रायोजेनिक इंजन है। चंद्रयान-3 का मुख्य उद्देश्य लैंडर को चंद्रमा की जमीन पर सुरक्षित उतारना है। उसके बाद रोवर प्रयोग करने के लिए बाहर निकलेगा। लैंडर से बाहर निकलने के बाद प्रोपल्शन मॉड्यूल द्वारा ले जाए गए पेलोड का जीवन तीन से छह महीने के बीच है। दूसरी ओर, इसरो ने कहा कि लैंडर और रोवर का मिशन जीवन एक चंद्र दिवस या 14 पृथ्वी दिवस है।

एसजीपीसी ने लांच किया अपना यूट्यूब चैनल, गुरबाणी का होगा सीधा प्रसारण

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने यूट्यूब पर गुरबाणी के लिए अपने चैनल की घोषणा कर दी है। एसजीपीसी के प्रधान एचएस धामी ने बताया कि गुरबाणी के लिए चैनल का नाम सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब अमृतसर रखा जाएगा। इसके बाद सैटेलाइट चैनल शुरू करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। एसजीपीसी प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि किसी भी वेबसाइट या वेब चैनल को गुरबाणी के लाइव स्ट्रीमिंग, डाउनलोडिंग के अधिकार नहीं दिए जाएंगे। एसजीपीसी प्रसारण अधिकार की एकल मालिक होगी। एसजीपीसी के महासचिव गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब के तत्कालीन जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के आदेश को ध्यान में रखते हुए एसजीपीसी ने अपना यूट्यूब चैनल शुरू करने के लिए टेक्निकल स्टूडियो तैयार करना शुरू किया है, जहां से गुरबाणी के सीधे प्रसारण के अलावा एसजीपीसी की विभिन्न गतिविधियों को सिख संगत के साथ साझा किया जाएगा।

महत्वपूर्ण एवं खास

धुआं-धुआं हुई चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेस, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

अमरावती (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में चेन्नई-बेंगलुरु डबल डेकर एक्सप्रेस में धुआं निकलने से यात्रियों में दहशत फैल गई। घटना गुरुवार की है। एक कोच से धुआं निकलने से यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। धुआं देख एस6 कोच के यात्रियों ने चेन खींची और नीचे उतर गये। यह घटना चित्तूर जिले के कुप्पम शहर के पास हुई। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, ट्रेन के गुडियाट्टम रेलवे स्टेशन से गुजरने के कुछ मिनट बाद धुआं देखा गया। अधिकारियों ने कहा कि धुआं ब्रेक जाम के कारण था। घटना में किसी को कुछ नहीं हुआ। ट्रेन रुकते ही रेलवे स्टाफ ने 12 मिनट के अंदर ब्रेक में आई खराबी को दुरुस्त कर लिया। ठीक 12 मिनट बाद ट्रेन बेंगलुरु के लिए रवाना हो गई। इसलिए चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेस डबल डेकर ट्रेन आज 12 मिनट की देरी से चली।

बेंगलुरु में एक हिट एंड रन केस में दो लोगों की मौत

बेंगलुरु (आरएनएस)। बेंगलुरु के बाहरी इलाके अनेकल शहर के पास शुक्रवार को एक ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है, जो अट्टीबेले के पास होसुर रोड पर हुई दुर्घटना के बाद भाग निकला। मृतकों में से एक की पहचान 32 वर्षीय मंजप्पा के रूप में की गई, जबकि दूसरे मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। बाइक को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और मौके से भाग निकला। अट्टीबेले पुलिस मौके पर पहुंच गई और आगे की जांच शुरू कर दी है।

भोलेभाले लोगों को ऑनलाइन लोन के चक्रव्यूह में फंसाने वाली कंपनियों पर लगेगा प्रतिबंध

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में ऑनलाइन लोन के चक्रव्यूह में फंस कर एक पूरे परिवार की आत्महत्या का मामले सामने आने के एक दिन बाद गृह मंत्री डा, नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि लोन वाली एप्लीकेशन को बैन करने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया जाएगा। डा. मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की जा रही है। इसके बाद ऐसी एप्लिकशन चिह्नित करेंगे, जिन नंबरों से मृतक को धमकी आई थी। उन्होंने कहा कि ऐसे लोन वाले ऐप्स को भी चिह्नित किया जा रहा है और केंद्र सरकार से आग्रह किया जाएगा कि उन्हें प्रतिबंधित किया जाए। भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र में आर्थिक तंगी और कर्ज से परेशान एक परिवार के चार सदस्यों ने बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात आत्महत्या की थी। पति-पत्नी के शव फांसी पर लटके मिले, वहीं दोनों बच्चों घर के एक कमरे में मृत मिले थे, इन्हें जहर देने की आशंका जतायी जा रही है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बताया कि परिवार का मुखिया भूपेंद्र विश्वकर्मा ऑनलाइन कंपनी के लोन के चक्रव्यूह में फंस गया था, जिसके चलते पूरे परिवार ने ये आत्मघाती कदम उठाया।

बिहार में नसबंदी के बाद महिला गर्भवती, विभाग करेगा जांच

जमुई (आरएनएस)। बिहार के जमुई जिले के झाझा प्रखंड में नसबंदी के बाद गर्भवती होने का मामला सामने आया है। अब स्वास्थ्य विभाग इसकी जांच कर उचित कारवाई करने की बात कर रहा है। विभाग का कहना है कि इसकी जांच एक कमेटी करेगी। यह मामला छापा पंचायत के कोडवाडीह के रहने वाली रेखा देवी का है। रेखा देवी पहले से ही दो पुत्र और दो पुत्री की मां है। बीते वर्ष17 नवम्बर को रेफरल अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग की ओर से परिवार नियोजन को लेकर शिविर लगाया था। इसमें रेखा देवी ने बंध्याकरण ऑपरेशन करवाया और उसके बाद वह अपने घर चली गईं थी। महिला को बीते दो माह के बाद पता चला कि वह फिर से गर्भवती हो गई। महिला ने अल्ट्रासाउंड भी करवाई, इसमें दो माह की गर्भवती होने की बात सामने आई। महिला अपने पति के साथ अल्ट्रासाउंड की रिपोर्ट लेकर अब स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से गुहार लगा रही है। उधर, जमुई के सिविल सर्जन कुमार महेंद्र प्रताप ने बताया कि यह एक ऑपरेशन है, इसमे एक प्रतिशत असफल होने की गुंजाइश रहती है। जमुई में भी ऐसा मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि जिला में इसके लिए एक समिति है जो मामले की जांच करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में मुआवजे का भी प्रावधान है। दंपति की इच्छा अनुसार आगे की कारवाई की जाएगी।

16 हजार से अधिक लोगों ने की अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर (आरएनएस)। अमरनाथ यात्रा के 13वें दिन 16 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में पवित्र शिवलिंग के दर्शन किए, जबकि 7,245 भक्तों का एक और जत्था शुक्रवार को जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि एक जुलाई को वार्षिक तीर्थयात्रा शुरू होने के बाद से अब तक लगभग 1.62 लाख तीर्थयात्री पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं।

7,245 श्रद्धालुओं का एक और जत्था शुक्रवार सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से एक सुरक्षा काफिले में घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा, 3,144 तीर्थयात्री बालटाल आधार शिविर जा रहे हैं, जबकि 4101 पहलगाम आधार शिविर जा रहे हैं। अब तक प्राकृतिक कारणों से यात्रा में 19 लोगों की मौत हो चुकी है। यात्री पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से हिमालय गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं।

पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में 3-4 दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग दर्शन के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं।

दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। इस वर्ष की 62 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा उत्सव के साथ समाप्त होगी।

देश का स्तंभ हुआ और मजबूत : सुप्रीमकोर्ट को मिले दो नए जज, सीजेआई चंद्रचूड़ ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एस. वेंकटनारायण भट्टी को शपथ दिलाई। असके साथ ही अब सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ कर 32 हो गई। बुधवार को केंद्र ने इनके नामों को मंजूरी दे दी थी। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा 12 जुलाई को जारी अधिसूचना में कहा गया कि राष्ट्रपति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एस वेंकटनारायण भट्टी को नियुक्त किया है। कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वे सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश होंगे।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के नामों की अनुशंसा करने के एक हफ्ते के भीतर केंद्र ने मंजूरी दे दी। दो जजों के शपथ ग्रहण के साथ शीर्ष अदालत में जजों की कुल संख्या अब सीजेआई सहित 32 हो गई है। न्यायमूर्ति भुइयां को 2011 में गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। वह अपने उच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और शीर्ष अदालत में पदोन्नति से पहले, वह 28 जून 2022 से तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। न्यायमूर्ति भुइयां टैक्स कानून में विशेषज्ञता रखते हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट में सेवा के दौरान उन्होंने टैक्स कानून सहित कई तरह के मामलों को निपटाया है।

सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति से पहले जस्टिस एस वेंकटनारायण भट्टी केरल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। उन्हें 2013 में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और वह अपने मूल उच्च न्यायालय में सबसे वरिष्ठ हैं।

न्यायमूर्ति भट्टी के पास कानून की विभिन्न शाखाओं का अनुभव है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनके नाम की सिफारिश करते हुए कहा, न्यायमूर्ति भट्टी की नियुक्ति उनके अर्जित ज्ञान और अनुभव के संदर्भ में मूल्यवर्धन प्रदान करेगी। उनकी अच्छी प्रतिष्ठा है और उनमें ईमानदारी और क्षमता है।

सीमा हैदर को वापस पाकिस्तान नहीं भेजा तो होगा मुंबई जैसा हमला

पुलिस को आई कॉल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तान से भागकर नेपाल के रास्ते भारत आई सीमा हैदर को लेकर रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं। कोई उसे शक की नजरों से देख रहा है, तो कोई उसके प्यार को सच्चा बता रहा। इस बीच, मुंबई में एक सनसनीखेज धमकी भरी कॉल की गई है। इसमें फोन करने वाले ने कहा है कि यदि सीमा हैदर को वापस पाकिस्तान नहीं भेजा तो भारत को 26/11 मुंबई आतंकी हमले जैसे अटैक के लिए तैयार रहना होगा।

मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम को यह फोन कॉल 12 जुलाई को आया था। इस कॉल के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है और कॉल के बारे में अधिक जानकारी ली जा रही है। 'एएनआई' के अनुसार, सीमा हैदर का जिक्र करते हुए जिसने फोन कॉल की, उसने उर्दू भाषा में बात कही। उसने यह भी कहा कि अगर सीमा को वापस नहीं भेजा गया तो भारत का नाश होगा।

सीमा हैदर अपने लवर सचिन मीणा के साथ भारत में रहने के लिए अपने चार बच्चों के साथ आई है। वह दावा कर रही है कि पाकिस्तान की है और नेपाल के रास्ते भारत में आई। उसके पति ने भी मीडिया के जरिए पत्नी को वापस पाकिस्तान भेजने की भारत सरकार से अपील की है। वहीं, सीमा ने कहा है कि वह हिंदू धर्म अपनाएगी और भारत में ही अपने प्रेमी के साथ रहेगी। सीमा के पति ने बताया कि उसने सऊदी अरब जाने के लिए पासपोर्ट बनवाया था, लेकिन वह बच्चों को लेकर हिंदुस्तान पहुंच गई। सीमा के पति गुलाम हैदर जखरानी ने सोशल मीडिया के जरिये और भारतीय मीडिया से संपर्क करके पत्नी-बच्चों से बिछडऩे का दर्द बयां किया। उसने कहा कि वह सबकुछ भूलकर सीमा को अपनाने के लिए तैयार है। उसने भारत और पाकिस्तान की सरकार से मदद मांगी है।

भारत आने के बाद सीमा और सचिन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। हालांकि, कुछ समय बाद ही दोनों को जमानत भी मिल गई थी। अदालत ने यह भी आदेश दिया था कि जब तक मामले की सुनवाई चल रही है तब तक सीमा अपना घर नहीं बदलेगी और सचिन के साथ रहेगी। जेल से बाहर आने के बाद अपनी प्रेमिका और उसके बच्चों को लेकर सचिन ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा इलाके की मीना ठाकुरन कॉलोनी में स्थित अपने माता-पिता के घर पहुंचा था। सीमा के साथ रह रहे उनके चार बच्चे भी उसके साथ गए थे। सीमा और सचिन साल 2019 में पब्जी खेलते समय संपर्क में आए थे और फिर दोनों धीरे-धीरे करीब आते गए। इसके बाद सीमा ने भारत आने का फैसला कर लिया। उस दौरान सीमा का पति गुलाम हैदर सऊदी अरब में था।

फ्रांस में मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों को मिलेगा 5 साल का वर्क वीजा : पीएम

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि फ्रांस में मास्टर डिग्री हासिल करने वाले भारतीय छात्रों को अब पढ़ाई के बाद पांच साल का वर्क वीजा दिया जाएगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर फ्रांस की आधिकारिक यात्रा पर गए मोदी ने गुरुवार को पेरिस में एलए सीन म्यूजिकल में भारतीय समुदाय को अपने संबोधन के दौरान यह घोषणा की।

उन्होंने कहा, पिछली बार जब मैं फ्रांस आया था, तो यह निर्णय लिया गया था कि फ्रांस में पढऩे वाले भारतीय छात्रों को अध्ययन के बाद दो साल का कार्य वीजा मिलेगा। अब, यह निर्णय लिया गया है कि फ्रांस में मास्टर्स की पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों को पांच साल का कार्य वीजा दिया जाएगा। अपने संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री ने फ्रांस में भारतीय समुदाय के योगदान पर भी प्रकाश डाला, जो भारत-फ्रांस साझेदारी की मजबूत नींव बनाते हैं।

भारत से लगभग 65,000 अप्रवासी वर्तमान में फ्रांस में रहते हैं। फ्रांसीसी दूतावास के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 27 लाख छात्र फ्रांसीसी उच्च शिक्षा के लिए नामांकन करते हैं, जिनमें से 14 प्रतिशत विदेशी छात्र हैं।

फ्रांस मैनेजमेंट पढ़ाई के लिए विशेष रूप से लोकप्रिय है, जिसमें 70 प्रतिशत से अधिक भारतीय छात्र हैं। कोविड के बाद एकत्र किए गए नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2021-2022 शैक्षणिक वर्ष में फ्रांस में लगभग 6,000 भारतीय छात्र थे।

पिछले कुछ वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं में 1.38 लाख लोगों की गई जान

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में खराब मौसम की वजह से होने वाली मौतों की संख्या में काफी कमी आई है लेकिन सामाजिक-आर्थिक प्रगति के बीच संपत्ति का नुकसान बढ़ रहा है।

वर्ष 2013 की केदारनाथ बाढ़ और इस साल हिमाचल प्रदेश में आई बाढ़ की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन एजेंसियों और आम जनता की ओर से पूर्व चेतावनी प्रणाली, पूर्वानुमान, तैयारी, रोकथाम और शमन में भारी सुधार हुआ है।

सामाजिक-आर्थिक प्रगति के कारण संपत्ति का नुकसान बढ़ा- नीति अनुसंधान थिंक टैंक द सेंटर फॉर एनर्जी, एनवायरमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) की एक रिपोर्ट जारी करने के लिए एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, हम वर्षों से मौतों की संख्या को कम करने में सक्षम रहे हैं, लेकिन संपत्ति का नुकसान बढ़ रहा है क्योंकि देश में सामाजिक-आर्थिक प्रगति बढ़ रही है। भारत में हर साल बिजली गिरने से 2,500 लोगों की मौत हो जाती है और वज्रपात एक चुनौती बन गई है, जबकि हमने उष्णकटिबंधीय चक्रवातों जैसी आपदाओं का लगभग मुकाबला किया है और उन पर विजय प्राप्त की है।

बिजली गिरना एक बहुत ही त्वरित घटना है और ऐसा होने में कम समय लगता है। इसकी भविष्यवाणी भी मुश्किल है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में भारत मौसम विज्ञान विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान ने बिजली की भविष्यवाणी के लिए एक मॉडलिंग प्रणाली विकसित की है।

भारत दुनिया के केवल पांच देशों में से एक है जिसके पास बिजली गिरने के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली है। उन्होंने कहा कि शहरी आबादी में वृद्धि के साथ, शहरों में बाढ़ की समस्या देश के लिए एक और चुनौती बन गई है। सीईईडब्ल्यू की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लगभग 72 प्रतिशत जिले अत्यधिक बाढ़ के संपर्क में आ सकते हैं लेकिन उनमें से केवल 25 प्रतिशत में ही बाढ़ के स्तर का पता लगाने का पूर्वानुमान स्टेशन या प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली हैं।

असम, बिहार और यूपी में बाढ़ की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली बेहतर- बाढ़ के उच्च जोखिम के बावजूद, असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम बाढ़ की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्य हैं। रिपोर्ट से पता चला है कि हिमाचल प्रदेश, जो वर्तमान में बड़े पैमाने पर बाढ़ से जूझ रहा है, उन राज्यों में से एक है जहां प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों की सबसे कम उपलब्धता है। दूसरी ओर, उत्तराखंड अत्यधिक बाढ़ की घटनाओं के संपर्क में है, लेकिन बाढ़ की पूर्व चेतावनी प्रणाली की उच्च उपलब्धता है।

यमुना के उफान के कारण भीषण बाढ़ की चपेट में आई दिल्ली पर आंशिक रूप से अत्यधिक बाढ़ का खतरा रहता है और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (ईडब्ल्यूएस) यहां मध्यम स्तर का है। भारत में लगभग 66 प्रतिशत लोग अत्यधिक बाढ़ की घटनाओं का सामना करते हैं। हालांकि, उनमें से केवल 33 प्रतिशत बाढ़ ईडब्ल्यूएस से कवर हो पाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, 25 प्रतिशत भारतीय आबादी पर चक्रवातों और उनके प्रभावों का खतरा रहता है लेकिन चक्रवात की चेतावनी खतरे में रहने वाली 100 प्रतिशत आबादी के लिए उपलब्ध है।

प्राकृतिक आपदाओं में 1.38 लाख लोगों की जान गई- स्वतंत्र थिंक टैंक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के अनुसार, भारत ने 365 दिनों में 314 दिनों में 2022 में खराब मौसम की चुनौतियों का अनुभव किया। इन घटनाओं ने 3,026 लोगों की जान चली गई और 19.6 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा। संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी विश्व मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार खराब मौसम, जलवायु और बाढ़ से संबंधित घटनाओं के कारण 1970 से 2021 के बीच 573 आपदाओं का सामना करना पड़ा इनमें करीब 1,38,377 लोगों की जान गई।